बी.ए. द्वितीय वर्ष
संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य
प्रथम पत्र : संस्कृत व्याकरण अनुवाद रचना (कालुकौमुदी)

नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Answer any three questions of the following.

1. 'संस्कृत भाषायाः महत्त्वं' पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए।
2. अव्ययीभाव समास को सोदाहरण समझाइए।
3. संस्कृत में कारक कितने हैं? नाम लिखकर स्पष्ट करें।
4. चतुर्थी विभक्ति वाले सूत्र लिखे।
5. उपपद विभक्ति व कारक विभक्ति किसे कहते हैं?
6. तद्धित शब्द का क्या अर्थ है? किन्हीं चार तद्धित के प्रत्ययों का उल्लेख करते हुए तद्धितान्त पद बनाइए।
7. स्त्रीशिक्षायाः महत्त्वम् विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए।
8. रचनानुवाद कौमुदी के 30वें पाठ का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।
9. हस् धातु का सभी लकारों में रूप लिखें।
10. कर्तृवाच्य और कर्मवाच्य का परिचय देते हुए उदाहरण से स्पष्ट करें।
11. तद्धित शब्द का क्या अर्थ है? तद्धित और कृदन्त में क्या अन्तर है।
12. द्विरुक्त प्रक्रिया क्या है? उदाहरण सहित समझाइए।
13. कारक किसे कहते हैं? संस्कृत में कितने कारक हैं? द्वितीया विभक्ति करने वाले सूत्रों को सोदाहरण लिखिए।
14. निम्नलिखित सूत्रों का अर्थ लिखिए–
अपवर्गे तृतीया, येनाँगविकारः, रुच्यर्थानां प्रीयमाणः, आख्यातर्युपयोगे, कर्तृकर्मणोः कृति, उभयप्राप्तौ कर्तरि वा, कृत्यानां कर्तरि वा, यस्य भावेन भावलक्षणं, निमित्तात्कर्मसंयुक्तात्, निर्धारणेऽविभागे सप्तमी च।
15. अधोलिखित को विग्रह करते हुए सिद्ध करें–
अधिकुमारि, निर्मक्षिकम्, उपराजम्, यूपदारु, कापुरुशः, प्रत्यक्षः, रक्तकम्बलः, पञ्चकपालः, दर्शनीयभार्यः, चन्द्रवदना।
16. सूत्रों की व्याख्या कीजिए–
काममनसोस्तुमश्च, मूर्खे देवानां प्रियः, नित्यवैरिणाम्, अल्पस्वरम्, सर्वादिश्च बहुव्रीहौ, पुरुशे वा, संख्यापूर्वो द्विगुश्च, पंचमी भयादिभिः, हितादिभिः, समासप्रत्यययोः
17. आचारः परमो धर्मः अथवा सत्संगतिः विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखें।
18. निम्नांकित सूत्रों की व्याख्या कीजिए–
तस्यापत्ये, मनोर्याणौ शुक् च, स्त्रीपुंसाभ्यां नञ्स्नञौ, ग्रामजनबन्धुगजसहायेभ्यस्तल्, न्यायादेरिकण्, दक्षिणाप चात्पुरसस्त्यण्, भवतोरिकणीयसौ, वा युश्मदस्मदोऽञीनञौ युश्माकास्माकौ च, वर्शाकालेभ्य इकण्, अधिकृत्य कृते ग्रन्थे, तस्येदम्।।
19. विग्रह करते हुए निम्नलिखित पदों को सिद्ध करें–
दाशरथिः, कानीनः, राजन्यः, हारिद्रम्,वैयाकरणः, तदीयः, स्त्रौत्रैणः, स्रौघ्नम्, बुभुक्षितः, वैनयिकम्।।
20. निम्नांकित सूत्रों का अर्थ समझाइए–
हसादेरदुपधस्य सेटि, गुरुनाम्यादेरनृच्छूर्णोः, आमः कृनः, सन्यङ्श्च, गमिशज्यमां छोऽत्यादौ, स्पृषिमृषिकृशेर्वा, अनतोऽन्तोऽदात्मने, ऋवर्णात्, अत इत्नि, वृद्भ्यः स्यसनोः।।
21. निम्नलिखित क्रियापदों को सूत्र निर्देश करते हुए सिद्ध करें–
22. लकारों का परिचय देते हुए लभ् धातु के सभी लकारों में रूप लिखें।

23. 'स्त्रीशिक्षायाः आवश्यकता' या 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' विषय पर निबन्ध लिखिए।

बी.ए. द्वितीय वर्ष
संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य (लघुसिद्धांतकौमुदी)
प्रथम पत्र : संस्कृत व्याकरण अनुवाद एवं रचना

नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer any three questions of the following.

1. कारक की परिभाषा देते हुए उसके भेदों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
2. अव्ययीभाव समास को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
3. 'परोपकारः' विषय पर एक निबन्ध संस्कृत में लिखिए।
4. रचनानुवाद कौमुदी 25वें पाठ में दिए गये वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।
5. 'आयनेयीनीयियः फ ढ़ ख छ घां प्रत्ययादीनाम्' सूत्र को उदाहरण सहित समझाइए।
6. समास की परिभाषा देते हुए बहुब्रीहि और द्विगु समास का वर्णन कीजिए।
7. 'संस्कृत भाषायाः महत्त्वम्' विषय पर एक निबन्ध संस्कृत भाषा में लिखें
8. तद्धित शब्द का क्या अर्थ है? आदित्यः, स्त्रैणः, ओपगवः, पार्थिवः, सभ्यः शब्द का विश्लेषण कीजिए।
9. रचनानुवाद कौमुदी को 28वें पाठ का संस्कृत में अनुवाद करें।
10. द्वन्द्व समास की परिभाषा एवं उदाहरण दीजिए।
11. कारक की परिभाषा देते हुए उसके भेदों को बताइए। चतुर्थी विभक्ति करने वाले सूत्रों को सोदाहरण समझाइए।
12. नीचे लिखे सूत्रों की व्याख्या कीजिए
    कर्मणि द्वितीया, अकथितं च, कर्तृकरणयोस्तृतीया, अपादाने पंचमी, आधारोऽधिकरणम्, प्रथमानिर्दिष्टं समास उपसर्जनम्, अव्ययीभाव च, नदीभि च, नपुंसकाच्च, झयः।।
13. निम्नलिखित शब्दों की रूपसिद्धि कीजिए
    अधिहरि, पञ्चगौम्, उपजरसम्, शंकुलाखण्डः, यूपदारु, अक्षशौण्डः, पंचगवधनः, नीलोत्पलम्, कृश्णसर्पः, घन यामः।।
14. सूत्रार्थ लिखिए

एकविभक्ति चाऽपूर्वनिपाते, राजाऽहःसखिभ्यश्टच्, परवल्लिङ्द्वन्द्वतत्पुरुशयोः, हलन्त् सप्तम्याः संज्ञायाम्, उरः प्रभृतिभ्यः कप्, द्वन्द्वे घि, अजाद्यदन्तम्, अल्पाच्तरम्, उपपदमतिङ्.

15. समास की परिभाशा देते हुए उसके भेदों का वर्णन कीजिए।
16. निम्नांकित सामासिक पदों की रूपसिद्धि कीजिए–

    अतिरात्रम्, महाराजः, पंचकपालः, पद्मनाभः, रूपवद्भार्यः, अन्तर्लोभः, व्यूढोरस्कः, पितरौ, हरिहरौ, द्विमूर्धः।।
17. निम्नलिखित सूत्रों की व्याख्या कीजिए–

    अश्वपत्यादिभ्यश्च, हलो यमां यमि लोपः, तस्याऽपत्यम्, गर्गादिभ्यो यञ्, आयनेयीनीयियः फ ढ ख छ घां प्रत्ययादीनाम्, शिवादिभ्योऽण्, स्त्रीभ्यो ढक्, संस्कृत भक्षाः, तस्य समूहः, भिक्षादिभ्योऽण्।

18. निम्नलिखित पदों की सिद्धि कीजिए–

    आदित्यः, स्त्रैणः, औपगवः, द्विमातुरः, वैनतेयः, रैवतिकः, वैयाकरणः, औदुम्बरः, माहेयम्, ग्रामीणः।
19. मानवजीवनस्योद्दे यम् अथवा आचार्य देवो भवः पर निबन्ध लिखें।

बी.ए. द्वितीय वर्ष– संस्कृत : द्वितीय पत्र : काव्य, नाटक, कोश, छन्द एवं अलंकार

नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer any three questions of the following.

1. किन्हीं दो श्लोकों की ससंदर्भ व्याख्या करें

(क) अपारे संसारे कथमपि समासाद्य नृभवं,
न धर्मं यः कुर्याद् विषयसुखतृष्णातरलितः
ब्रुडन् पारावारे प्रवरमपहाय प्रवहणं,
स मुख्यो मूर्खाणामुपलमुपलब्धुं प्रयतते।।

(ख) मानुष्यं विफलं वदन्ति ह्रदयं व्यर्थं वृथा श्रोत्रयो
र्निर्माणं गुणदोषभेदकलनां तेषामसंभाविनीम्।
दुर्वारं नरकान्धकूपपतनं मुक्तिं बुधा दुर्लभां,
सार्वज्ञः समयो दयारसमयो येषां न कर्णातिथिः।।

(ग) रत्नानामिव रोहणक्षितिधरः खं तारकाणामिव,
स्वर्गः कल्पमहीरुहामिव सरः पंकेरुहाणामिव
पाथोधिः पयसामिवेन्दुमहसां स्थानं गुणानामसा–
वित्यालोच्य विरच्यतां भगवतः संघस्य पूजाविधिः।।

2. सिन्दूर प्रकरण में प्रतिपादित जीवन–मूल्यों पर एक निबन्ध लिखिए।
3. भाग्यं पुरुषार्थश्च एवं बुद्धिकौशलम् पाठ को अपने शब्दों में लिखते हुए इनकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।
4. किन्हीं तीन छन्दों को सोदाहरण समझाइये–
मालिनी, शिखरणी, आर्या, वसन्ततिलका, वंशस्थ
5. किन्हीं तीन अलंकारों को सोदाहरण समझाइये–
उपमा, सन्देह, विभावना, श्लेष, उत्प्रेक्षा
6. अभिधान चिन्तामणि में से चार ऐसे श्लोक लिखो, जिनमें एक ही शब्द के चार–चार पर्यायवाची प्रयुक्त हुए हो।
7. सिन्दूरप्रकर में वर्णित किन्हीं दो प्रकरणों की आज के संदर्भ में व्याख्या कीजिए।
7. 'शेमुषी' के रचयिता का संक्षिप्त परिचय देते हुए, इस ग्रंथ की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।
8. समुचित क्रियाओं को मिलाइए–

दैपेयेन	उद्घाटितम्
तत्वानि	उक्तं
भाग्यम्	जिज्ञासितम्
तेन	फलति
अन्तश्चक्षु	सम्बद्धानि

9. अभिधान चिन्तामणि के कर्ता का संक्षिप्त परिचय देते हुए, इस ग्रंथ के छठे काण्ड पर प्रकाश डालिए।
10. किन्हीं तीन अलंकारों को सोदाहरण समझाइये।
यमक, अतिशयोक्ति, उत्प्रेक्षा, काव्यलिंग, वक्रोक्ति
11. किन्हीं तीन छंदों को सोदाहरण समझाइये।–शार्दुलविक्रिडतम्, भुजंगप्रयात, द्रुतविलम्बित, उपजाति, स्रग्धरा
12. सिन्दूर प्रकर जीवन मूल्यों का संस्करण है– लिखें।

या

सिन्दूर प्रकर पर आधारित अहिंसा विषय पर विचार लिखें।

13. 'शेमुषी' पुस्तक के 'बुद्धि कौशलम्' और 'दिशा–परिवर्तनम्' पाठ को अपनी भाषा में लिखें।

या

'शेमुषी' के रचयिता का नामोल्लेख करते हुए शेमुषी रचना की विशेषताएं बतलाएं।

14. समुचित क्रियाओं को जोड़े

अन्तश्चक्षुः	निगदितम्
दारकेण	प्रबुद्धः
महीपति	उद्घाटितम्
संन्यासिनम्	प्रोवाच
पद्मा	आनय

15. नाममाला के किन्हीं चार श्लोकों को अर्थ सहित लिखें।

16. किन्हीं तीन छन्दों को उदाहरण सहित लिखें–
अनुष्टुप, उपजाति, इन्द्रवज्रा, मन्दाक्रान्ता
17. किन्हीं तीन अलंकारों का सोदाहरण उल्लेख करें।

18. निम्न श्लोकों में किन्हीं दो श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या करें–

(क) पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषु या,
नादत्ते प्रियमण्डनापि भवतां स्नेहेन या पल्लवम् ।
आद्येवः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः,
सेयं याति शकन्तला पतिग्रहं सर्वैरनुज्ञायताम्।।

(ख) औत्सुक्यमात्रमवसाययति प्रतिष्ठा,
क्लिश्नाति लब्धपरिपालनवृत्तिरेनम्।
नातिश्रमापनयनाय न च श्रमाय,
राज्यं स्वहस्तधृतदण्डमिवातपत्रम्।।

(ग) सुतनु! हृदयात्प्रत्यादेशव्यलीकमुपैतु ते,
किमपिमनसः संमोहो मे तदा बलवानभूत्।
प्रबलतमसामेव प्रायाः शुभेषु प्रवृत्तयः
स्रजमपि शिरस्यन्धः क्षिप्तां धुनोत्यहिशंकया।।

19. शाकुन्तलम् नाटक की विशेषताएं लिखें
अथवा
शकुन्तला का चरित्र चित्रण करें।

20. शाकुन्तलम् नाटक के प्रसिद्ध चार श्लोकों में किन्हीं दो श्लोकों की विशेषताएं बताएं।
21. सिन्दूरप्रकर में किन्हीं दो प्रकरणों के 5 श्लोकों की व्याख्या करें।
22. 'शेमुषी' के रचयिता द्वारा प्रदत्त विद्यार्थियों के नाम शिक्षाओं में किन्हीं चार विषयों पर प्रकाश डालिए।
23. (क) अभिधान चिन्तामणि के कोई ऐसे चार श्लोक लिखें जिनमें एक शब्द के कम से कम चार पर्यायवाची शब्द अवश्य हो।

(ख) शब्दार्थ लिखें– प्रगुणः, सव्यम्, संगूढ़, प्रथितः

24. किन्हीं चार छन्दों को सोदाहरण लिखें।
25. दीपक, अनुप्रास, उत्प्रेक्षा अलंकारों को सोदाहरण लिखें।